माई री माई दर पे तेरे

माई री माई दर पे तेरे मै दुखियारा आया,
दर्सन तेरे करने को दो नेन केटोरै लाया,
प्यारी प्यारी मैया जी जग से न्यारी मैया जी,
माई री.....

माँ के दर पे बरस रही है,देखो अम्रत धारा,
जो भी आया माँ के दुआरै, भव से पार उतारा,
धन दिया निर्धन को,कोड़ी को देती काया,
दर्सन तेरे करने को....

एक दिन आदि सक्ति को जो भेरो ने ललकारा,
त्रिशूल से माँ ने एक बार में भेरो को सअंगारा,
मैया के इस बल से भक्तों. कोई जीत पाया,
दर्सन तेरे करने को.....

श्रद्धा हो जिस के भी मन में उसी की पार हो नैया,
जो भी पूजे प्रेम भाव से. उसी के तर जाये नइया,
लांगुर जोगिन साथ में लेकर.पर्वत चढ़ कर आया,
दर्सन तेरे करने को....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3591/title/maai-ri-mai-dar-pe-tere-main-dukhyara-aaya-darshan-tere-karne-ko-do-nain-ke-tore-laya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |